साहित्य वीथिका

Sahitya Vithika

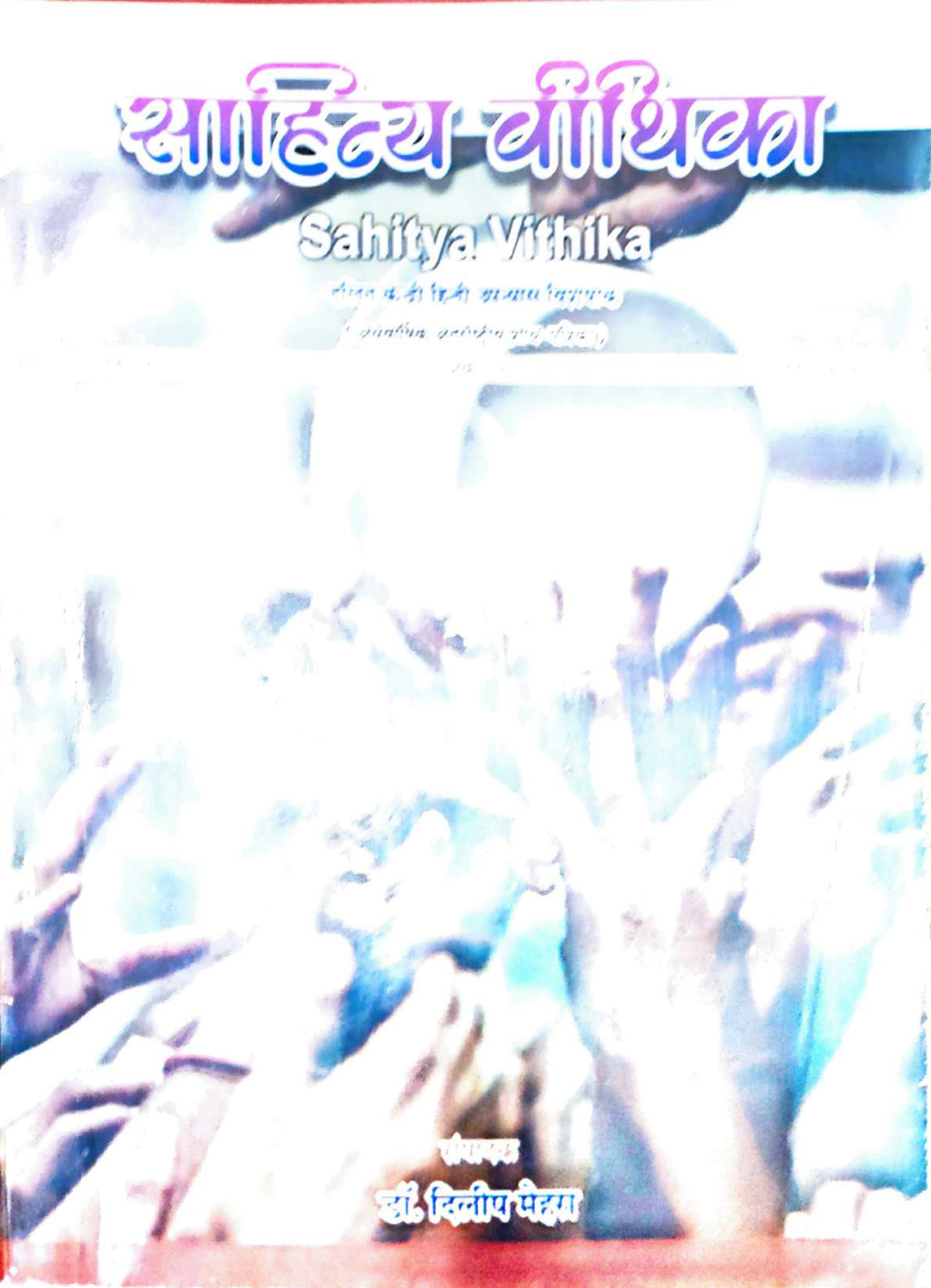

डॉ. दिलीप मेहरा

ISSN : 2319-6513

साहित्य वीथिका

वर्ष : २ अंक : २ जून-२०१३

संपादक
डॉ. दिलीप मेहरा

परामर्शक
डा. पारुकान्त देसाई
डा. दयाशंकर
प्रो. जे के. सिंह

संरक्षक : डा. मालती दूबे

सम्पादक मण्डल
डा. शिवप्रसाद शुक्ल, डा. प्रेमचन्द कोराली
डा. खन्नाप्रसाद अमीन, श्री के. एस. मेहरा

कला सज्जा : प्रा. सहदेव लुहार

व्यवस्थापकीय पता
शोभा मेहरा,
बी-३, नीलकंठ बंग्लोज़, पंचायत अस्पताल रोड़,
नानाबाजार, वल्लभविद्यानगर, गुजरात-३८८१२०
Email :sahityavithika68@yahoo.com
सचलभाष-९४२६३६३३७० दूरभाष-०२६९२२३१७५०

Peer reviewed bilingual bi-annual research journal

पत्रिका में प्रकाशित कविता, लेखादि में अभिव्यक्त विचारों से प्रकाशक या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं।
समस्त विवादों के लिए न्यायालय का क्षेत्र आणंद, गुजरात होगा।

सदस्यता शुल्क
वार्षिक २०० रुपये
पंचवार्षिक ९०० रुपये
आजीवन २००० रुपये
संस्था के लिए
वार्षिक ३०० रुपये
आजीवन ३०००

अनुक्रमणिका

कुछ दाने मेरी ओर से	- डा . दिलीप मेहरा	
मिश्र जी को श्रद्धांजलि		४
संस्मरण		
• 'किसी चिराग का अपना मकां नहीं होता' के बहाने गुरुवर शिवकुमार मिश्र की पावन स्मृति	- दयाशंकर	५
• डा . शिवकुमार मिश्र : यात्रावीर और मंचवीर	- डा . योगेन्द्रनाथ मिश्र	८
• सतत प्रवाहमान विचार धारा : शिवकुमार मिश्र	- प्रवीण पंड्या	१०
• एक काव्यात्मक श्रद्धांजलि : प्रोफेसर शिवकुमार मिश्र को	- डा . पारुकान्त देसाई 'कबिराः	१२
शोधालेख		
१ . दलित होने का धर्म	- डा . पारुकांत देसाई	१३
२ . दलित साहित्य : एक सर्वेक्षण	- डा . शिवप्रसाद शुक्ल	१७
३ . प्रेमचन्द : दलित आशय	- डा . पुष्पा रानी	२१
४ . स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में दलित चेतना	- डा . जशवंतभाई डी पंड्या	२६
५ . फणीश्वरनाथ 'रेणु' के उपन्यासों में दलित-चेतना	- श्री गोपालभाई आर गमारा	३०
६ . दलित चेतना के संदर्भ में अमृतलाल नागर के विचार	- डा . देवराज शर्मा	३२
७ . नागार्जुन के उपन्यासों में दलित-चेतना	- डा . जीवनभाई आर डांगर	३४
८ . रामदरश मिश्र के उपन्यासों में दलित चेतना	- पालवा स्मिता	३७
९ . जगदीश चन्द्र की कथात्रयी में दलित विमर्श	- डा . सत्तारभाई वहोरा	४१
१० . हन्दी उपन्यास साहित्य में व्यक्त दलित चेतना	- डा . कप्पीकेरे एम एस , प्रा . एमेकर पवन नागनाथ	४४
११ . दलित पीड़ा और 'कर्मभूमि'	- डा . गोविन्दभाई के मुंधवा	४७
१२ . प्रेमचंद के उपन्यास 'कर्मभूमि' में दलित चेतना	- पारुल परमार	४९
१३ . प्रेमचन्द का 'गोदान' और दलित विमर्श	- डा . प्रेमचन्द कोराली	५१
१४ . 'नाच्यौ बहुत गोपाल' उपन्यास में दलित चेतना	- डा . धीरजभाई वणकर	५३
१५ . 'नाच्यौ बहुत गोपाल' उपन्यास में दलित विमर्श	- डा . एम . जी . गांधी	५६
१६ . 'महाभोज' उपन्यास में दलित चेतना	- डा . अमितभाई एन . पटेल	५९
१७ . दलितों के अरमानों के गले में लगी छूरी : परिशिष्ट	- डा . बी . के . कलासवा	६२
१८ . भयानक मानसिकता का उद्घाटन : परिशिष्ट	- डा . सोमाभाई पटेल	६७
१९ . 'नरक कुंड में बास' : दलित त्रासदी की एक सांस्कृतिक चीख	- डा . मनीष गोहिल	७०
२० . 'मुक्तिपर्व' उपन्यास में दलित चेतना	- प्रा . महेन्द्रकुमार एल . वणकर	७२
२१ . 'मुक्तिपर्व' : दलित मुक्ति की नयी राह	- प्रा . दीपिका बी प्रजापति	७४
२२ . स्वाधीनता का दूसरा संघर्ष : 'मुक्तिपर्व'	- डा . मानसिंग चौधरी	७६
२३ . वर्णवादी मानसिकता का दस्तावेज : 'मुक्तिपर्व'	- डा . हमीर पी मकवाणा	८१
२४ . आधुनिक परिप्रेक्ष्य और दलित उपन्यास : 'छप्पर'	- डा . मायाप्रकाश पाण्डेय	८३
२५ . 'जस तस भई सवेर' उपन्यास में दलित विमर्श	- डा . मुलजीभाई के पटेल	८७
२६ . 'बिना दरवाजे का मकान' : दलित चेतना के संदर्भ में	- डा . अमी दवे	९१
२७ . 'अपनी सलीबें' उपन्यास में दलित चेतना	- डा . एन . टी . गामित	९३
२८ . 'मोरझाल' उपन्यास में आदिवासी भीलों की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना	- भालोडिया मितल जे .	९६
२९ . दलित विमर्श और 'पीली छतरी वाली लड़की'	- डा . सुरेश पटेल	१००